झोल खाता एनएच-52, पांच साल से रोज लग रहे हैं फोरलेन पर पैबंद

घटिया निर्माण और दुर्घटना का ब्लैक स्पॉट बना आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे

शाजापुर, 19 सितंबर. चार दशक के बाद शाजापुर को फोरलेन और बायपास मिला. लेकिन शाजापुर से इंदौर तक और शाजापुर से ब्यावरा तक एनएच-52 पर जो फोरलेन बना है, उसकी क्वालिटी किसी से छुपी नहीं है. रोज इस फोरलेन पर कहीं न कहीं पैबंध का काम देख सकते हैं. आरसीसी से बना ये फोर लेन जगह-जगह झोल खाता है. कई जगह ब्लैक स्पॉट का निदान नहीं हुआ, जिससे सैकड़ों दुर्घटना हो रही है. फोरलेन बनने के पहले जो पेड़ काटे गए थे, उन्हें लगाने का फोरलेन की कंपनी को टेंडर में शर्त रखी गई थी, लेकिन देवास से लेकर ब्यावरा तक कहीं भी न तो पेड़ नजर आते हैं. और दोनों तरफ ड्रेनेज पर भी कोई सुरक्षा का उपाय नहीं है.

गौरतलब है कि नेशनल हाईवे 52 आगरा-बॉम्बे रोड जिसकी शिवपुरी से देवास तक 3500 करोड़ से 332.46 किमी लंबा फोरलेन बनाया गया है. अलग-अलग कम्पनियों के माध्यम से इसका निर्माण किया गया. लेकिन ब्यावरा से देवास तक 141 किमी लंबा फोरलेन ओरिएंटल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रालि द्वारा 1609.48 करोड़ से बनाया गया. यह फोरलेन 2019 में तैयार हुआ था. लेकिन निर्माण के बाद फोरलेन में जगह-जगह दरारें और पूरे मार्ग पर कई जगह पैबंध नजर आ रहे हैं. जबकि कंपनी द्वारा रोजवास और उदनखेड़ी में भारी भरकम टोल वसूला जाता है. संभवत: प्रदेश का सबसे महंगा टोल ओरिएंटल कंपनी का ही है.

ब्लैक स्पॉट का नहीं हुआ निदान...

सनकोटा जोड़, टुकराना जोड़, बिजाना रोड, ऐसे ब्लैक स्पॉट हैं, जहां सैकड़ों दुर्घटना हो गई हैं, लेकिन आज तक इस गंभीर लापरवाही की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया. जब भी दुर्घटना होती है, ब्लैक स्पॉट की बात उठती है, अधिकारियों का निरीक्षण होता है और आश्वासन का झूठा झूला झुलाकर मामला ठंडा हो जाता है. जबकि जिस कंपनी ने ये फोरलेन बनाया है, उसने कई जगह एक तरफ का एप्रोच मार्ग बनाया, लेकिन दूसरी तरफ का छोड़ दिया.

जब से बना है रोड़, रोज लग रहे है पैबंध...

2019 से तैयार हुआ यह फोरलेन अपने घटिया निर्माण की कहानी खुद बयां कर रहा है. शाजापुर से देवास के बीच कहीं न कहीं आपको सड़कों में पड़ी दरार में पैबंध लगाते कर्मचारी नजर आ जाएंगे. जबकि इसे बने हुए मात्र 5 साल ही हुए हैं. 1600 करोड़ की लागत का यह फोरलेन लगता नहीं है कि अपनी पूरी अवधि कर पाएगा. घटिया निर्माण के बावजूद सबसे ज्यादा टोल इसी कंपनी द्वारा वसूला जा रहा है.

अभी तक नहीं लगाए गए पौधें...

ब्यावरा से लेकर देवास तक फोरलेन निर्माण के दौरान हजारों पेड़ों की कटाई हुई. उसके बदले फोरलेन बनाने वाली कंपनी को दोगुनी मात्रा में पौधे लगाना थे, लेकिन ब्यावरा से देवास तक पूरे फोरलेन पर कहीं भी पौधे नहीं लगाए गए. जहां कुछ मात्रा में लगाए गए, वहां देखरेख नहीं की गई. फोरलेन के बीच में जो ड्रेनेज लाइन बनाई है, वो दुर्घटना का प्रमुख कारण बनती है. क्योंकि दोनों तरफ से रात को वाहनों की लाइट से ड्रेनेज लाइन नजर नहीं आती है, जिससे वाहन खंती में उतर जाते हैं.

वाहनों की टायरों की सर्विस हुई कम

जिन वाहनों के टायर 50 से 60 हजार किमी की सर्विस देते थे, वे आरसीसी याने सीमेंट-कांक्रिट से बने इस रोड पर 40 हजार किमी में ही दम तोड़ रहे हैं. साथ ही गर्मी के मौसम में आरसीसी सड़क गर्म होने से भारी वाहनों के टायर फटने की कई घटनाएं देखने को मिली है, जिसमें कई लोग हताहत हुए हैं. वहीं रोड में जगह-जगह झोल होने के कारण फोरलेन से यात्रा करने वालों को ऊंट की सवारी का भी मजा आता है.

एक नजर में

सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत प्रबुद्धजनों की बैठक सम्पन्न हुई

मोहन बड़ोदिया, 19 सितंबर. मोहन बड़ोदिया में पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन परिसर में बैठक संपन्न हुई. जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पांडे ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर चल रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाएगा. जिसमें आगामी 21 सितंबर को मोहन बड़ोदिया नगर के प्रबुद्धजनों के साथ जिला संगोष्ठी आयोजित की जाएगी. इस संबंध में बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रवि पांडे के मुख्य अतिथि में दोपहर दो बजे से पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन परिसर में संपन्न हुई. बैठक में जिला अध्यक्ष पांडे ने बताया कि 21 सितंबर को सरस्वती शिशु मंदिर मोहन बड़ोदिया में संगोष्ठी आयोजित की जा रही है. उसमें क्षेत्र के प्रबुद्धजन, डॉक्टर, वकील, विद्यार्थी, रिटायर कर्मचारी, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारी सहित सभी वर्ग के प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया जाए. इस संगोष्ठी में एक शॉर्ट फिल्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी वो भी दिखाई जाएगी. बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश पाल, भाजपा जिला महामंत्री रायसिंह मालवीय, जिलामंत्री उमेश टेलर ने भी संबोधित किया. इस मौके पर तेजसिंह राजपूत, अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष कैलाश भिलाला, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मनोहर राय, मंडल महामंत्री महेश भारती, रामचंद्र सूर्यवंशी मंचासीन थे. बैठक में नगर के कई वरिष्ठ सामाजिक, धार्मिक, व्यापारी, भाजपा पदाधिकारी,कार्यकर्ता उपस्थित थे. बैठक का संचालन महेश भारती ने एवं आभार युवा मोर्चा पूर्व मंडल अध्यक्ष गिरिराज सोनी ने माना.

स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

सुसनेर, 19 सितंबर. मोड़ी के शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत स्लोगन लेखन एवं पोस्टर प्रतियोगिता संपन्न हुई. इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता सेवा एवं जल कल्याणकारी कार्यक्रमों का व्यापक प्रसार प्रसार करना है. इस प्रतियोगिता के अंतर्गत बेटी है तो जीवन है एवं शिक्षित नारी, सशक्त परिवार विषय पर विद्यार्थियों ने स्लोगन एवं पोस्टर का निर्माण किया. विद्यालय की टीम ने सभी प्रतिभागियों के स्लोगन एवं पोस्टर को सराहा गया एवं इनाम देकर उनको पुरस्कृत किया गया. संस्था के शिक्षक निर्मल भारती द्वारा बच्चों को प्रेरित कर सबका मार्गदर्शन किया एवं प्रतियोगिता को संपन्न कराया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य गिरिराज बंसिया एवं समस्त स्टाफ सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान को लेकर दिया प्रशिक्षण

सुसनेर, 19 सितंबर. पशुपालन एवं डेयरी विभाग के द्वारा 2 अक्टूबर से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत की जाएगी. इसको लेकर शुक्रवार दोपहर में 2 बजे सांई तिराहे के समीप स्थित पशु चिकित्सालय में विकासखंड के मैत्री कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया. जिन्हें डॉ. अंकित जैन, डॉ. योगेश कुंभकार, डॉ. दीपक मेहरा, डॉ. तृप्ति पुनवानी के द्वारा गाय एवं भैंस में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने को लक्ष्य को पूरा करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया. ये सभी मैत्री कार्यकर्ता ग्रामों में जाकर पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करेंगे. इस अवसर पर एवीएफओ भी मौजूद रहे.

नियम तोड़ना स्टेटस सिम्बॉल, पालन कराएं, तो आ जाते हैं राजनीतिक पापाओं के कॉल

बात शाजापुर की
मनोज पुरोहित

नियम-कानून-कायदे नत्थे और फत्ते के लिए हैं... आप जरा भी रसूख रखते हैं या आपके पास कोई राजनीतिक पापा हैं, तो फिर आप नियम-कानून-कायदे से ऊपर हैं. फिर आपको किसी कानून-नियम-कायदे से तनिक भी भयभीत होने की जरूरत नहीं है. क्योंकि नियम तोड़ना अब लोगों का स्टेटस सिम्बॉल बन चुका है. बिना कागज के गाड़ी चलाना अपराध की श्रेणी में आता है, लेकिन ये अब स्टेटस सिम्बॉल बन चुका है. कोई गाड़ी रोक ले, तो एक ही आवाज आती है, क्या तुम मुझे पहचानते नहीं हो... बात कराऊं क्या तुम्हारी... यहां रहना है या नहीं... अमूमन ऐसी बातों से रोज दो-चार होना पड़ता है पुलिस को. पुलिस किसी को अपराध में पकड़े, तो थाने के पहले ही छोड़ने के लिए फोन आ जाते हैं. यही हाल राजस्व विभाग में है. यदि कोई नियम से काम करे, तो अधिकारी को तत्काल राजनीतिक पापाओं के फोन आ जाते हैं. ये आदमी हमारा है, ध्यान रखना... यही कारण है कि अब नियम-कायदे, कानून तोड़ना स्टेटस सिम्बॉल बन चुका है. शहर में बिगड़ैल यातायात व्यवस्था इसी का परिणाम है. यदि व्यवस्था सुधारना है तो फिर राजनीतिक पापाओं को फोन लगाना बंद करना होगा. अब लगता है कि आम आदमियों के लिए नियम, कायदे, कानून बचे हैं. जिसके पास कोई राजनीतिक पापा नहीं है, उसके लिए ही अब कानून का पालन करना अनिवार्य है. जिसके पास राजनीतिक पापा हैं, तो उसके लिए किसी भी नियम-कायदे, कानून का पालन करना जरूरी नहीं है. आम आदमी को बचना है, तो उसके पास लक्ष्मी माता है. लक्ष्मी माता के सहारे ही वो बच पाता है. लाल बत्ती तोड़ना, बीच सड़क पर वाहन खड़ा करना, तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना ये स्टेटस सिम्बॉल बन चुका है. यही हाल अन्य विभाग का है. किसी आम आदमी की रेत की ट्रॉली पकड़ लो, तो उसे लक्ष्मी माता के सहारे की मुक्ति मिलती है और किसी रसूखदार की रेत का ट्रॉला पकड़ लो, तो उसे राजनीतिक पापाओं के सहारे तत्काल राहत मिल जाती है. आम आदमी को नामांतरण, नपती, बटांकन कराना है, तो बिना लक्ष्मी माता के दर्शन कराए संभव नहीं है. यदि जरा भी आप रसूखदार हैं या आप के पास राजनीतिक पापाओं का आशीर्वाद है, तो सब काम घर बैठे ही हो जाएगा. यही कारण है कि अधिकारी भी अपनी कुर्सी की रक्षा के लिए राजनीतिक पापाओं की हां में हां मिलाकर कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं. हर काम में राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद हम कह सकते हैं - कानून न कायदे, चापलूसी में हैं फायदे...

अब नपा आरक्षण पर निगाहें

हालांकि अभी नगरीय निकाय चुनाव को दो साल का समय है, लेकिन दावेदार अभी से नपा आरक्षण को लेकर समीकरण बैठा रहे हैं. शाजापुर नगर पालिका की बात करें, तो सामान्य पुरुष, सामान्य महिला, पिछड़ा पुरुष को मौका मिल चुका है, लेकिन इस बार पिछड़ा वर्ग महिला की संभावना बन सकती है. यही कारण है कि अभी से सुगबुगाहट शुरू हो गई है दोनों ही दलों में. कि यदि पिछड़ा वर्ग महिला होगी, तो कौन फिट होगा. यदि पिछड़ा वर्ग महिला का आरक्षण हुआ, तो दोनों दल में पिछड़ा वर्ग से सक्रिय राजनीति में महिला नेत्री की संख्या कम है.

चकरघन्नी है खादी और खाकी...

खाकी याने पुलिस जुलूस, जलसे, धरना, आंदोलन से परेशान है. रोज एक न एक आयोजन होने से पुलिस की कमर तीरकमान हो गई है. तो वहीं राजनीति में सत्ताधारी खादी की बात करें, तो ऊपर से रोज कार्यक्रम के फरमान आते हैं कि पदाधिकारी और नेता भी पार्टी के कार्यक्रमों से चकरघन्नी हो गए हैं. बस फर्क इतना है कि सत्ताधारी खादी ग्लैमर में है.इसलिए ग्लैमर का आनंद ले रहे हैं, लेकिन पुलिस न ग्लैमर में बची और न ही आनंद ले पा रही है. दोनों की स्थिति इन दिनों लगभग एक जैसी है. पुलिस को वरिष्ठ अधिकारियों को दिनचर्या से अवगत कराना है, तो सत्ताधारी खादी को कार्यक्रम के फोटो भोपाल में अपलोड कराना है.

अंत में...

और किसी से इनको क्या लेना-देना, ये अपनी मतलब की खोज में रहते हैं. हमने देखा है हर एक हुकूमत में, तलवे चाटने वाले मौज में रहते हैं...

उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित हुई बाल प्रतियोगिता

शाजापुर, 19 सितंबर. शाजापुर उत्कृष्ट विद्यालय में जिला स्तरीय बाल प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. विभिन्न विधाओं में प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी कला सृजनशीलता, निपुणता का प्रदर्शन किया.

कार्यक्रम के अवसर पर प्राचार्य प्रवीण कुमार मंडलोई ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों में छुपी प्रतिभाएं सामने आती हैं और उन्हें नई ऊंचाई तक पहुंचने की प्रेरणा देती है. निर्णायक मंडल में श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, राजेंद्र नामदेव, सुश्री सुनीता राठौर की उपस्थिति थी. बाल रंग प्रभारी श्रीमती रेखा पुरोहित, राजेंद्र मालवीय, साक्षी वर्मा आदि ने प्रतियोगिता का आयोजन करवाया. कार्यक्रम का संचालन बद्रीलाल नागर ने किया. इस अवसर पर विभिन्न विद्यालय एवं संस्थाओं के विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद थे.

सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी...

नवरात्रि व आगामी त्यौहारों को लेकर मक्सी थाने पर शांति समिति की बैठक आयोजित

मक्सी, 19 सितंबर. सभी गरबा पंडालों में फायर एक्सटिंग्विशर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करनी होगी. सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि माताजी की प्रतिमा एवं गरबा स्थल की सतत निगरानी हो सके. सभी आयोजनों की समय सीमा निर्धारित रहेगी. प्रारंभ एवं समापन समय का पालन अनिवार्य होगा. हर आयोजन में एक विवाद निपटान समिति बनाई जाएगी, जो आयोजन के दौरान उत्पन्न छोटे विवादों का समाधान करेगी.

यह निर्देश आगामी नवदुर्गा उत्सव के मद्देनजर शहर में शांति व्यवस्था, सुरक्षा एवं गरबा आयोजनों को लेकर पुलिस थाना मक्सी पर शुक्रवार को आयोजित बैठक में एसडीओपी गोपाल सिंह चौहान एवं थाना प्रभारी संजय वर्मा ने दिए. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जहां महिलाओं की संख्या अधिक होगी. वहां अधिक संख्या में महिला वालंटियर्स तैनात किए जाएंगे. बड़े आयोजन स्थलों पर कम से कम 20 वालंटियर्स की नियुक्ति होगी, जो पुलिस प्रशासन का सहयोग करेंगे. कोई भी आयोजन खुले मैदान में नहीं होगा, स्थल कवर्ड होना अनिवार्य है. चाहे वह बांस, रस्सी या बल्ली से कवर्ड हो. गरबे केवल धार्मिक गरबा गीतों पर ही खेले जाएंगे. ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासन के निर्धारित मानदंडों के अनुसार ही किया जाएगा. मूर्ति स्थल की सुरक्षा हेतु दिन एवं रात में कम से कम 02 वालंटियर्स नियुक्त होंगे, जिनके मोबाइल नंबर थाने में पंजीबद्ध किए जाएंगे. इस अवसर पर नगर परिषद अधिकारी अशफाक खान, एमपीईबी मक्सी सहायक यंत्री सत्यजीत कुमार सिंह, मक्सी पटवारी श्रीराम किलोदिया, पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी, गरबा आयोजन समितियों के सदस्य, पत्रकारगण एवं मुस्लिम समाज के वरिष्ठजन भी उपस्थित रहे.

नगर परिषद व बिजली विभाग का आश्वासन

नगर परिषद अधिकारी अशफाक खान ने शहर में 60 सीसीटीवी कैमरे चालू करने का आश्वासन दिया. वहीं, एमपीईबी सहायक यंत्री सत्यजीत कुमार सिंह ने गरबा उत्सव के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित न होने का भरोसा दिलाया. एसडीओपी चौहान एवं थाना प्रभारी वर्मा ने आयोजकों से अपील की कि गरबा उत्सव को शांतिपूर्ण एवं मर्यादित रूप से मनाया जाए और प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाए. सभी आयोजन सांप्रदायिक सौहार्द एवं सांस्कृतिक एकता के प्रतीक बनें. यही सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है.

एक नजर में

निर्यात नहीं होने से गिरे प्याज के दाम, खराब हो रहा स्टॉक किया हुआ माल, आर्थिक नुकसान बढ़ा रहा परेशानी

क्षेत्र के अन्नदाताओं को रुला रहे प्याज और लहसुन के दाम

सुसनेर, 19 सितंबर. कभी लहसुन, तो कभी प्याज. थाली का स्वाद बढ़ाने वाली ये फसलें इन दिनों किसानों का दर्द बढ़ा रही हैं. हालत यह है कि थोक बाजार में कीमतें आधी से भी कम हो गई हैं और किसान अपनी लागत तक निकाल नहीं पा रहे हैं. सुसनेर व ग्रामीण अंचलों में किसान मजबूरी में औने-पौने दामों पर उपज बेच रहे हैं.

लहसुन, जो कुछ समय पहले 60 से 80 रुपए किलो तक बिक रहा था, अब थोक मंडियों में 20 से 30 रुपए किलो पर आ गया है. वजह है कि इस बार रकबा और उत्पादन दोनों ज्यादा हैं, लेकिन मांग कम है. नतीजा ये है कि लागत निकालना तो दूर, किसान सीधे घाटे में जा रहे हैं. प्याज का हाल भी अलग नहीं है. प्याज की बंपर आवक हो रही है, लेकिन दाम 1 से 7 रुपए किलो तक ही मिल पा रहे हैं. किसान प्रकाश यादव, लक्ष्मणसिंह कांवल का कहना है कि इतनी कम कीमत पर मजदूरी और ढुलाई तक नहीं निकल रही. व्यापारियों का मानना है कि प्याज के दाम गिरने की बड़ी वजह निर्यात पर लगी रोक है. जब तक प्याज बाहर नहीं जाएगा, तब तक सप्लाई मंडियों में बढ़ती रहेगी और दाम नीचे ही रहेंगे. लहसुन और प्याज दोनों की बिक्री में भारी गिरावट से किसान परेशान हैं. खुदरा बाजार में उपभोक्ताओं को भी इन कम दामों का पूरा फायदा नहीं मिल रहा.

स्टॉक करने के बाद भी घाटा

कई किसानों ने दाम बढ़ने की उम्मीद में अपनी उपज को कुछ समय तक स्टोर करके रखा था, लेकिन कुछ समय बाद दाम और गिर गए और स्टॉक किया हुआ माल भी खराब होने लगा, जिससे किसानों को और अधिक नुकसान हुआ.

कब स्थिर होंगे दाम...?

किसानों की नजर अब सरकार पर है कि कब दाम स्थिर होंगे और कब उन्हें राहत मिलेगी. लहसुन और प्याज का यही खेल है. कभी आसमान छूती कीमतें, तो कभी मिट्टी के भाव, लेकिन इस उठापटक में सबसे बड़ा नुकसान हमेशा किसान को ही उठाना पड़ता है. किसानों ने अच्छी कीमतों की उम्मीद में प्याज को स्टोर कर रख था, लेकिन दाम बढ़ने के बजाय और गिर गए, जिससे माल खराब भी हो रहा है. इसके कारण किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है और वे सरकार से उचित समर्थन मूल्य की मांग कर रहे हैं.

सेवा पखवाड़ा के तहत किया पौधारोपण

शाजापुर, 19 सितंबर. बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज में मप्र उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े के दूसरे दिन पौधारोपण किया गया. महाविद्यालय के एनएसएस, एनसीसी स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों व स्टॉफ सदस्यों ने महाविद्यालय परिसर में पौधे लगाए. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. वीपी मीणा ने एनसीसी, एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों कहा कि पौधे लगाना से ही आपकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती, अपितु उनकी देखभाल करना भी जरूरी है. एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी देते हुए रोजाना पौधों को सिंचित करने की अनिवार्यता के बारे में बताया व विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने एवं समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया.